एकवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा

भाषा- संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी

क्रेडिट-40

प्रश्नपत्र संख्या-05

पाठ्यक्रम सारांश

क्रम	पत्र	प्रश्न पत्र	ग्रंथ/पाठ्यबिन्दु	विवरण	अङ्क	क्रेडिट
1	प्रथम	कुण्डली निर्माण	भारतीय कुण्डली विज्ञान/ बृहत्पाराशर होराशास्त्र/जैमिनि सूत्रम्	वर्ग चक्र-चयनित बिन्दुओं के साथ) आयुर्दायविचार, दशा, ग्रहबलादि ज्ञान, ग्रहस्वभावाध्याय, राशिशीलाध्याय	60+40 आन्तरिक =100	06
2	द्वितीय	फलितशिक्षण	फलदीपिका	5,6,8,9 अध्याय (चयनित बिन्दुओं के साथ)	60+40 आन्तरिक =100	06
3	तृतीय	वास्तुशास्त्र शिक्षण	वास्तुरत्नावली	7,8,9,10 अध्याय	60+40 आन्तरिक =100	06
4	चतुर्थ	मुहूर्तशिक्षण	मुहूर्तचिन्तामणि	1-संस्कारप्रकरण, 2-विवाहप्रकरण 3-यात्राप्रकरण 4-गृहप्रवेश प्रकरण (चयनित बिन्दुओं के साथ)	60+40 आन्तरिक =100	06
5	पंचम	साम्प्रतिक वास्तुशिक्षण		भवन वास्तु -(चयनित बिन्दुओं के साथ) व्यावसायिक वास्तु (चयनित बिन्दुओं के साथ)	60+40 आन्तरिक =100	06
परियोजना कार्य			ज्योतिषशास्त्र वास्तुशास्त्र	40 पृष्ठात्मक 40 पृष्ठात्मक	60+40 आन्तरिक =100	10

विशेष-

1-प्रायोगिक अध्ययन हेतु विविध उदाहरणों की कुण्डलियों का संकलन

2- वास्तुशास्त्रीय प्रयोगों हेतु शैक्षणिक यात्रायें एवं अन्य गतिविधियां।

पत्र संख्या- 05

कुल वार्षिक क्रेडिट -40 (प्रत्येक पत्र के 6 क्रेडिट **=6x5=30+10** परियोजना कार्य)

एकवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथमपत्र

पूर्णाङ्क- 100 (60 लिखित एवं 40 आन्तरिक)

क्रेडिट- 06

विषय-कुण्डलीनिर्माण

ग्रंथ- भारतीयकुण्डलीविज्ञान, जैमिनिसूत्रम्, बृहत्पाराशरहोराशास्त्र

क्रम	शीर्षक	विवरण	क्रेडिट
1	वर्गचक्रज्ञान	दशमांश, षोडशांश, षष्ठ्यंश वर्गादि, स्वांशकुण्डली, कारकांशकुण्डली,	01
2	आयुर्ज्ञान	जैमिनिसूत्रोक्तायुर्दायविचार (लग्नेश-अष्टमेश,-शनिचंद्र, लग्नहोरालग्न चरस्थिरद्विस्वभावस्थिति-वशादायुर्दायविचार)	01
3	ग्रहस्वभावाध्याय	बृहत्पाराशरहोराशास्त्र- ग्रहस्वभावाध्याय सम्पूर्ण	02
4	राशिशीलाध्याय	बृहत्पाराशरहोराशास्त्र- राशिशीलाध्याय सम्पूर्ण	02

संदर्भग्रंथ-

1. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्, संपादक, देवचंद्र झा, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
2. भारतीयज्योतिष, लेखक- बेमिचंद्र शास्त्री, भारतीयज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जैमिनिसूत्रम्- सीताराम झा, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
4. भारतीय कुण्डली विज्ञान- मीठालाल हिम्मतराम ओझा, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।

एकवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

द्वितीयप्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क- 100 (60 लिखित एवं 40 आन्तरिक)

क्रेडिट-06

विषय-फलितशिक्षण

ग्रंथ- फलदीपिका, लेखक- मंत्रेश्वर, टीका- गोपेश ओझा

क्रम	शीर्षक	विवरण	क्रेडिट
1	अध्याय (5)-कर्माजीवाध्याय	सम्पूर्ण (1 से 9 श्लोक)	02
2	अध्याय (6) -राजयोगाध्याय	पंचमहापुरुषयोग 1 से 5 श्लो., सुनफा अनफा, दुरधरा, केमद्रुम, वेसि वासि उभयचरी श्लो. 6 से 10 तक, शुभाशुभकर्तरी 11 श्लो., विविध कुण्डलियों में उदाहरण सहित	02
3	अध्याय (8)- भावाश्रययोगाध्याय	सम्पूर्ण (1 से 35 श्लोक)	02

संदर्भग्रंथ-

फलदीपिका, लेखक- मंत्रेश्वर, टीका- गोपेश ओझा, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन।

बृहज्जातक- लेखक-वराहमिहिर, टीका-केदारदत्तजोशी,

एकवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा

तृतीयप्रश्नपत्र

क्रेडिट-06

पूर्णाङ्क- 100 (60 लिखित एवं 40 आन्तरिक)

विषय- वास्तुशास्त्र शिक्षण

ग्रंथ- वास्तुरत्नावली

क्रम	शीर्षक	विवरण	क्रेडिट
1	गृहद्वार निर्णयाध्याय स्तम्भारोपणाध्याय	गृहद्वार निर्णयाध्याय-सम्पूर्ण स्तम्भारोपणाध्याय -सम्पूर्ण	2
2	वास्तुनिर्णयाध्याय	वास्तुनिर्णयाध्याय- 1 से 50 श्लोक	1
3	वास्तुनिर्णयाध्याय	51 से 109	1
4	वास्तुनिर्णयाध्याय	110 से 209	2

संदर्भग्रंथ-

विश्वकर्माप्रकाश-टीका- महर्षि अभय कात्यायन, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

संदर्भग्रंथ- वृहद्वास्तुमाला, संकलित-श्रीरामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

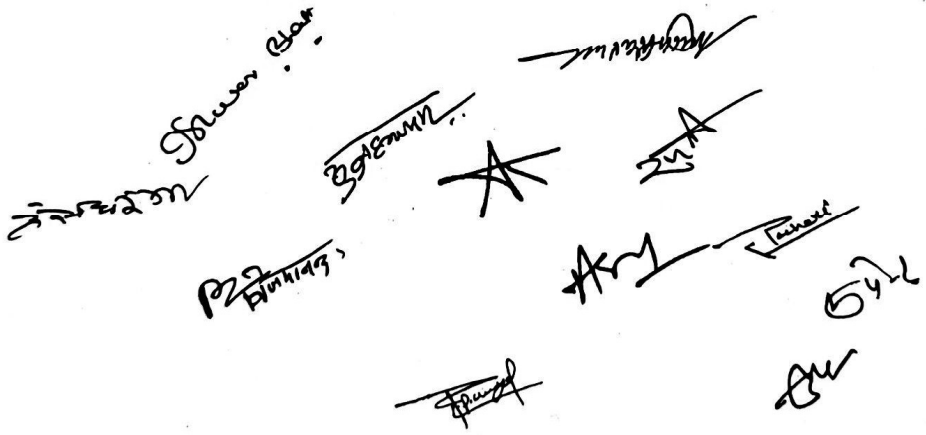

एकवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

चतुर्थप्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क- 100 (60 लिखित एवं 40 आन्तरिक)

क्रेडिट-06

विषय-मुहूर्तशिक्षण

ग्रंथ- मुहूर्तचिन्तामणि, लेखक - श्रीरामदैवज्ञ, टीका- केदारदत्तजोशी

क्रम	प्रकरण	विवरण	क्रेडिट
1	संस्कारप्रकरण	गर्भाधानमुहूर्त (श्लो .5,9), पुंसवनमुहूर्त (श्लो.8,10), अन्नप्राशनमुहूर्त (17श्लो.), चूडाकरणमुहूर्त (29,30 श्लो.), कर्णवेधसंस्कारमुहूर्त (24श्लो1.), विद्यारम्भमुहूर्त (श्लो 2.38), यज्ञोपवीतमुहूर्त (39, 40श्लो.)।	02
2	विवाहप्रकरण	वर-कन्यावरणमुहूर्त (श्लो.10,11),विवाहनक्षत्राणि (श्लो.21, श्लो.55, 73) लग्नशुद्धि (श्लो.86)। पञ्चाङ्द्वारा अष्टकूटमेलापकज्ञान।	02
3	यात्राप्रकरण गृहप्रवेश प्रकरण	(10, 38, 42, 49, 87 श्लोक) सम्पूर्ण	02

संदर्भग्रंथ-

मुहूर्तचिन्तामणि- लेखक- श्रीरामदैवज्ञ, टीका- केदारदत्तजोशी, मोतीलाल बनारसीदास।।

श्रीभोजराजपञ्चाङ्गम्- केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय नवदेहली प्रकाशन।

मुहूर्तमार्तण्ड-लेखक- श्रीनारायण दैवज्ञ, टीका- केदारदत्तजोशी, मोतीलाल बनारसीदास।

एकवर्षीय स्नातकोत्तर (PG) वास्तु-ज्योतिष डिप्लोमा

पंचमप्रश्नपत्र

विषय- साम्प्रतिक वास्तुशिक्षण

क्रेडिट-06

पूर्णाङ्क- 100 (60 लिखित एवं 40 आन्तरिक)

ग्रंथ- साम्प्रतिकवास्तुविचार, संपादक- प्रो.भारतभूषण मिश्र, डॉ.भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय

क्रम	शीर्षक	विवरण	क्रेडिट
1	भवनों के प्रारूप	भवनों के प्रारूप - उत्तरमुखी भूखण्ड पर वास्तु अनुसार भवनों के प्रारूप। पश्चिमोन्मख भूखण्ड पर वास्तु अनुसार भवन प्रारूप। पूर्वोन्मोन्मुख भूखण्ड पर वास्तु अनुसार भवन प्रारूप। दक्षिणोन्मुख भूखण्ड पर वास्तु अनुसार भवन-प्रारूप। वास्तु अनुसार कुक्ष अन्य भवन प्रारूप।	1
2	आवासीय भवनों की निर्माण योजना	आवासीय भवनों के विचारयोग्य आवश्यक बिन्दु। भवन के आवश्यक अंग और उनके स्थान। भवन निर्माण के कुछ अनमोल सूत्र। भवन के आवश्यक कक्ष कहां बनायें। पारम्परिक वास्तु नियम के अनुसार बना हुआ भवन। क्या कहां हो? वास्तुशास्त्र के अनुरुप कुछ सामान्य भूखण्डों के मानचित्र, पूर्व मार्ग का भूखण्ड और उसका मानचित्र। पश्चिम मार्ग का भूखण्ड और उसका मानचित्र। उत्तर मार्ग का भूखण्ड और उसका मानचित्र। दक्षिणमुखी भूखण्ड का मानचित्र।	1
3	स्वास्थ्य एवं शिक्षण संस्थान	चिकित्सालय, इमरजेन्सी/ कैजुअल्टी कक्ष, गहन चिकित्सा कक्ष, बाह्यरोगी कक्ष, प्रसूति कक्ष, शल्यचिकित्सा कक्ष, रोगियों के कक्ष, प्रशासनिक कक्ष, वित्तविभाग, बेसमेण्ट शिक्षण- मुख्यप्रवेशद्वार, मुख्यप्रवेश द्वार, उत्तरमुखी भूखण्ड। पूर्वमुखी भूखण्ड। दक्षिणमुखी भूखण्ड। पश्चिम मुखी भूखण्ड। खेल का मैदान। द्वार। प्रिन्सिपल कक्ष। विज्ञान प्रयोगशाला। पुस्तकालय। असेम्बली हाल। बीम। भूखण्ड का चयन। भूमि परीक्षण। शल्य विचार। शल्योद्धार। विद्यालय परिसर का प्रारूप।	1
4	जल संसाधन	जल संसाधन, उनके भेद और लक्षण, मुहूर्त वापी के लक्षण एवं भेद। सरोवर के लक्षण एवं भेद। कूप चक्र। तडाग चक्र। सूर्य नक्षत्र से तडागचक्र। तडाग, वापी, कूपारम्भ मुहूर्तादि विचार। आधुनिक वर्षा जल संरक्षण (वाटर हार्वेस्टिंग) व्यवस्था। भवन निमाण से पूर्व जल संसाधन व्यवस्था। आवासीय परिसर फैक्टरी/उद्योग स्थल में नलकूप व्यवस्था। हैडपम्प अथवा जेटपम्प की व्यवस्था। जल संग्रहण व्यवस्था।	1

5	व्यावसायिक वास्तु एवं औद्योगिक संस्थान (Industrial Building)- भूखण्ड	दुकान, व्यवसायिक केन्द्र और वास्तु-सिद्धान्त- पूर्व की ओर मुखवाली दुकानें। दक्षिणमखी दुकान। पश्चिममुखी दुकानें। उत्तरमुखी दुकानें। व्यावसायिक केन्द्र एवं शॉपिंग कॉम्पलेक्स। व्यापार केन्द्र, दुकान एवं शारूम। कार्यालय की आन्तरिक व्यवस्था। होटल एवं रैस्टोरेन्ट। अस्पताल एवं नर्सिंगहोम। मन्दिर एवं धर्मशाला। देवताओं की भूमि। औद्यौगिक संस्थान। औद्योगिक संस्थान (Industrial Building)- भूखण्ड एवं उनके शुभ आकार का चयन। औद्योगिक दृष्टि से भूखण्डों के शुभ आकार। फैक्टी भवन में विभिन्न कक्षों के उपयुक्त स्थान। होटल एवं जलपान गृह। फैक्ट्री तथा अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की उन्नति हेतु दोषों का निवारण एवं सुझाव। फैक्ट्री भवन में विभिन्न कक्षों के निर्माण स्थान।	02

संदर्भग्रंथ- भारतीय वास्तु शास्त्र – आचार्य शुकदेव जी
समराङ्गण सूत्रधार- चौखम्बाप्रकाशन
अपराजितपृच्छा- परिमलप्रकाशन दिल्ली।

उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्रम	सदस्य नाम	हस्ताक्षर
1	प्रो.ईश्वर भट्ट, ज्योतिषविभागाध्यक्ष, के.सं.वि.वि.जयपुरपरिसरय जयपुर।	
2	प्रो.हंसधर झा, निदेशक, श्रीराजीवगान्धीपरिसर, शृंगेरी।	
3	प्रो. पी.वी.बी. सुब्रहमण्यम्, निदेशक, श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर,देवप्रयाग।	
4	डॉ. विजयानन्द अडिग, समन्वयक, ज्योतिषविद्याशाखा, श्रीराजीवगान्धीपरिसर, शृंगेरी	
5	डॉ.रजनी, सहायकाचार्य, के.सं.वि.वि.भोपाल परिसर, भोपाल।	
6	डॉ.आशीष कुमार चौधरी, सहायकाचार्य, के.सं.वि.वि.भोपाल परिसर, भोपाल।	
7	डॉ.अनिल कुमार, सहायकाचार्य, के.सं.वि.वि.भोपाल परिसर, भोपाल।	
8	डॉ.रविन्द्र प्रसाद उनियाल, सहायकाचार्य, के.सं.वि.वि.भोपाल परिसर, भोपाल।	
9	डॉ.आशुतोष तिवारी, सहायकाचार्य, के.सं.वि.वि.भोपाल परिसर, भोपाल।	
10	डॉ.भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय, सहायकाचार्य, के.सं.वि.वि.भोपाल परिसर, भोपाल।	

अध्यक्ष

प्रो.भारतभूषण मिश्र,
समन्वयक, ज्योतिषविद्याशाखा,
के.सं.वि.वि.भोपालपरिसर, भोपाल।

प्र.निदेशक

प्रो. सुबोध शर्मा
के.सं.वि.वि.भोपालपरिसर,
भोपाल।